श्री सुभाष चंद्र सिंह (ओडिशा)**:** महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती फूलो देवी नेतम (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश)**:** महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री रामकुमार वर्मा (राजस्थान)**:** महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री संजय सिंह (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली)**:** महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री राजमणि पटेल (मध्य प्रदेश)**:** महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

Need for concrete steps for conservation of Taj Mahal

श्री हरद्वार दुबे (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, विश्व विरासत में शामिल भारत का ताजमहल देशी-विदेशी पर्यटकों के घूमने का सबसे बड़ा पसंदीदा स्थल है, जहां प्रत्येक वर्ष लगभग 8 मिलियन पर्यटक ताजमहल की सुन्दरता देखने के लिए आते हैं, लेकिन बढ़ता वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण पर्यटन की सेहत को खराब कर रहा है और अपनी सुन्दरता खो रहा है। विदेशी और देशी पर्यटक प्रदूषण के कारण ताजमहल से दूर हो रहे हैं।

महोदय, ताजमहल की सुन्दरता खराब होने के कई कारण हैं। ताजमहल टूरिज़्म ज़ोन के चारों तरफ कचरा इकट्ठा होना, पेट्रोल, डीज़ल के वाहनों की आवाजाही, औद्योगिक चिमनियों से उठने वाला धुंआ अम्लीय वर्षा करता है। कभी ताज की सुन्दरता में चार चांद लगाने वाली यमुना नदी भी अब उसके लिए मुसीबत बन गई है। नाले में तब्दील हो चुकी यमुना की गंदगी में पनपे कीड़ों ने समय-समय पर ताज की सतह पर..

श्री सभापति: दुबे जी, आपने पढ़ना नहीं है, केवल बोलना है। आप इतने अनुभवी सदस्य हैं, आगरा के ताजमहल के बारे में बोलने में क्या कठिनाई है? आप बोलिये, लेकिन पढ़िये मत।

श्री हरद्वार दुबे: ताज की सतह पर भूरे और गहरे रंग के दाग छोड़ देते हैं। ताज पर लगे ये दाग आज भी अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में बने हुए हैं। यमुना से उठने वाली दुर्गन्ध भी पर्यटकों को परेशान

करती है, लेकिन उसकी दशा में कोई सुधार नहीं हो रहा है। यमुना नदी आज दिल्ली से निकले हुए केवल एक नाले के रूप में आगरा में बह रही है और इसके कारण ताजमहल की सुन्दरता खराब हो रही है।

केन्द्र सरकार तथा प्रदेश सरकार ने समय-समय पर इस तरफ कदम उठाये हैं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय का भी आदेश हुआ है और उन्होंने इस पर चिंता जताई है और उत्तर प्रदेश सरकार को ताजमहल के संरक्षण के लिए विज़न डाक्यूमेन्ट का एक ड्राफ्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है।

आपके माध्यम से मेरा निवेदन है कि पर्यावरणीय क्षति से ताजमहल की सुन्दरता को बचाने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाये जाएं। ताजमहल टूरिज्म ज़ोन के चारों ओर यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी प्रकार का वायु प्रदूषण व जल प्रदूषण न हो और न ही कचरा एकत्रित हो। इसके लिए सरकार द्वारा ठोस कदम उठाये जाएं और कठोरतम नियम लागू किये जाएं।

अतः स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आप भारतीय पुरातत्व संरक्षण को आगाह करें और आवश्यक कदम उठायें, ताकि दुनिया के सात अजूबों में भारत की शान, विश्व धरोहर ताजमहल प्रदूषण की भेंट न चढ़े तथा फिर से पर्यटकों के बीच आज भी अपनी सुन्दरता बनाये रखे, धन्यवाद।

SHRI P. WILSON (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Hardwar Dubey.

DR. FAUZIA KHAN: Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Hardwar Dubey.

SHRIMATI VANDANA CHAVAN: Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Shri Hardwar Dubey.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI: Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Hardwar Dubey.

DR. AMAR PATNAIK: Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Hardwar Dubey.

DR. SASMIT PATRA: Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Hardwar Dubey.

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद: महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

MR. CHAIRMAN: Zero Hour is over. Now, Special Mentions. श्री प्रदीप टम्टा। वे उपस्थित नहीं हैं। श्री सकलदीप राजभर।

SPECIAL MENTIONS

Demand to grant special economic package to revive sugar and spinning mills in eastern Uttar Pradesh

श्री सकलदीप राजभर (उत्तर प्रदेश): महोदय, उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में आने वाले जनपद बलिया में किसान सहकारी गन्ना मिल रसड़ा, कताई मिल, रसड़ा व जनपद गाजीपुर में पूर्वांचल कताई मिल, बहादुरगंज और जनपद मऊ में स्पिनिंग कताई मिल, परदहा, स्वदेशी कॉटन मिल, मऊ, उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही थी, जिससे यहाँ के लोगों को रोज़गार प्राप्त हो रहा था। ये सभी उद्यम बन्द हो गये। परिणामतः इन मिलों में काम करने वाले सभी कर्मचारी बेरोज़गार हो गये। अब इन मिलों में काम करने वाले कर्मचारियों के परिवार भुखमरी के कगार पर पहुँच चुके हैं। गन्ना मिलों के बन्द होने से और कोई अन्य गन्ना मिल न होने से गन्ना किसानों ने गन्ने की फसल लगाना ही छोड़ दिया। गन्ना किसानों की मुख्य नकदी फसल रही है, जिससे गन्ना किसान लाभान्वित होकर अपने बच्चों की शिक्षा-दीक्षा, शादी-विवाह औसत दर्जे में करके भी खुशहाल रहे हैं। कई बार वर्तमान राज्य सरकार द्वारा इन मिलों को चलाने के लिए आर्थिक पैकेज देकर प्रयास किया गया, लेकिन धन आवंटित करने के उपरान्त भी इन मिलों का संचालन आज तक नहीं हो सका।

अतः मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि जनपद बलिया, मऊ और गाजीपुर में बन्द पड़ी गन्ना मिल और कताई मिल को केन्द्र से विशेष आर्थिक पैकेज देकर चालू कराने की कृपा करें, ताकि इन क्षेत्रों के बेरोज़गार युवक-युवतियों को रोज़गार मिल सके और ग्रामीण बेरोज़गारों का शहर की तरफ पलायन रोका जा सके तथा किसानों के हित में केन्द्र सरकार की मंशा के अनुरूप इनकी आय को दोगुना किया जा सके।

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.